कार्यवाही की मांग | आखिर कब जागेगी बुढार पुलिस प्रशासन, क्या पप्पू पुलिस को पहना रहा टोपी

काली स्कॉर्पियों में छिपे कबाड़ माफिया के काले कारनामे

प्रदीप शर्मा

नवभारत, बुढ़ार-धनपुरी। पुलिस अनुभाग धनपुरी क्षेत्र अंतर्गत में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं ने आम नागरिकों की नींद उड़ा दी है। संभ्रांत परिवारों में भय का माहौल है, लेकिन दूसरी ओर कबाड़ माफिया बेखौफ होकर अपने काले कारोबार को अंजाम दे रहा है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि यह पूरा खेल खुलेआम हो रहा है और फिर भी जिम्मेदार तंत्र मौन बना हुआ है।

विश्वसनीय सूत्रों के मुताबिक, 'काली स्कॉर्पियो' में सफ़ेद कपड़े पहनकर घूमने वाला तथाकथित कबाड़ सरगना अपने आपराधिक नेटवर्क को बड़े ही शातिर अंदाज में संचालित कर रहा है। कभी धनपुरी पुलिस के लिए सिरदर्द बना पप्पू टोपी, आज अनीश कबाड़ी के साथ मिलकर पूरे शहडोल जिले में अपना एकछत्र राज चला रहा है। यह जोड़ी अब सिर्फ कबाड़ तक सीमित नहीं रही, बल्कि संगठित तरीके से चोरी के बड़े नेटवर्क को ऑपरेट कर रही है। याद दिला दें कि पूर्व में पुलिस अधीक्षक द्वारा की गई बड़ी कार्रवाई में इस सिंडिकेट पर बुलडोजर चल चुका है। उस वक्त ऐसा लगा था कि कबाड़ माफिया की कमर टूट गई है, लेकिन हालात इसके उलट नजर आ रहे हैं। आरोप है कि बुढार थाना और आसपास के कुछ थानों से सेटिंग कर, यह गिरोह फिर से सक्रिय हो चुका है और अपने 'गुरुओं' के जरिए चोरी की वारदातों को अंजाम दिलवा रहा है। विश्वसनीय सूत्रों का दावा है कि चोरी की गई मोटरसाइकिल, कारें और यहां तक कि ट्रकों को भी काटकर कबाड़ में तब्दील किया जा रहा है। इस पूरे ऑपरेशन में पप्पू टोपी का राइट हैंड माना जाने वाला अनीश कबाड़ी 'मैनेजमेंट' का उस्ताद बताया जा रहा है, जो पूरे नेटवर्क को संभाल रहा है। धनपुरी, बुढार, जैतपुर और खैरहा की खदानों से कीमती मशीनरी पार्ट्स गायब होना अब आम बात हो गई है।पिछले माह भी एसईसीएल के कबाड़ की भारी मात्रा में चोरी का मामला सामने आया था, जिसमें कथित रूप से इसी गिरोह का नाम उछला, लेकिन हैरानी की बात यह रही कि पुलिस की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे आम जनता में यह संदेश जा रहा है कि कहीं न कहीं इस पूरे खेल में मिलीभगत की बू आ रही है। सूत्रों के अनुसार, टाकीज रोड धनपुरी में मोनू इक्का,व गुड्डू कबाड़ी बुढार में बड्डे जैन, और रेस्ट हाउस के पहले बने पेट्रोल पंप के पास स्थित गोदाम में चोरी का भारी स्क्रैप जमा किया जाता है। रात होते ही यह माल पुलिस की कथित नजरों के सामने से जबलपुर और बिलासपुर जैसे शहरों के लिए रवाना कर दिया जाता है।

सबसे बड़ा सवाल यही है

आखिर कब तक यह खेल चलता रहेगा। क्या बुढार पुलिस इस कबाड़ माफिया के आगे बेबस है या फिर जानबूझकर आंखें मूंदे बैठी है। जब एक समय पप्पू टोपी धनपुरी पुलिस के लिए सिरदर्द था, तो अब वही व्यक्ति पूरे जिले में कैसे बेलगाम घूम रहा है? जनता जवाब चाहती है। अगर समय रहते इस सिंडिकेट पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो यह नेटवर्क और ज्यादा खतरनाक रूप ले सकता है। अब देखना यह है कि बुढार पुलिस इस चुनौती को स्वीकार कर कबाड़ माफिया के इस काले साम्राज्य पर कब लगाम कसती है, या फिर यह 'काली स्कॉर्पियो' यूं ही कानून का मजाक उड़ाती रहेगी।

इनका कहना है

कबाड़ के लगातार पनप रहे अवैध कारोबार पर जब शहडोल पुलिस अधीक्षक श्री राम जी श्रीवास्तव से दूरभाष पर बात कर उनका पक्ष जानने हेतु हमने संपर्क किया तो उन्होंने कहा किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों को पनपने नहीं दिया जाएगा कोई खबर/ सूचना/ शिकायत प्राप्त होगी तो कार्यवाही की जाएगी शिकायत आने पर किसी भी अवैध गतिविधि की उसकी पुष्टि की जावेगी उसके उपरांत कार्यवाही की जावेगी।

श्री राम जी श्रीवास्तव
पुलिस अधीक्षक शहडोल

धुरवार टोल प्लाजा पर 'तालिबानी' हुकूमत

रसीद मांगने पर सामाजिक कार्यकर्ता को परिवार सहित घेरा सहमीं मासूम बेटियां

पुलिस ने एफआईआर के जगह दर्ज की एनसीआर

नवभारत,शहडोल । धुरवार टोल प्लाजा अब राहगीरों की सुविधा के लिए नहीं, बल्कि 'वसूली और गुंडागर्दी' का केंद्र बन चुका है। बीती रात यहां जो कुछ हुआ, उसने शहडोल पुलिस और टोल प्रबंधन के चेहरे से कानून का नकाब उतार दिया है। एक प्रतिष्ठित सामाजिक कार्यकर्ता भूपेश शर्मा को अपनी तीन मासूम बेटियों के सामने न सिर्फ अपमानित होना पड़ा, बल्कि पुलिस ने भी न्याय देने के बजाय एनसीआर (गैर-संज्ञेय रिपोर्ट) थमाकर अपराधियों को खुला संरक्षण दे दिया।

टोलकर्मियों ने 30 मिनट तक बनाया बंधक

घटना रात करीब 3:00 बजे की है। जयसिंहगर से लौट रहे भूपेश शर्मा की गाड़ी का फास्टैग तकनीकी कारणों से काम नहीं कर रहा था। नियम के मुताबिक उन्होंने 100 रुपये नकद दिए। लेकिन जैसे ही उन्होंने कानूनी हक (रसीद) मांगा, बनारस के उपाध्याय और स्थानीय जायसवाल नामक कर्मचारियों ने अपना 'असली रंग' दिखा दिया।गाड़ी में मौजूद तीन छोटी बेटियां अपने पिता को गुंडों से घिरा देख चीखने-चिल्लाने लगीं, लेकिन इन 'वर्दीविहीन लुटेरों' का दिल नहीं पसीजा। जब पीड़ित ने शिकायत पुस्तिका मांगी, तो जवाब मिला दादागिरी मत दिखाओ, वरना यहीं ठिकाने लगा देंगे। क्या शहडोल में अब रसीद मांगना अपराध हो गया है।

पुलिस का 'खेला' धाराओं के साथ खिलवाड़

सबसे शर्मनाक भूमिका सोहागपुर पुलिस की रही। पीड़ित न्याय की उम्मीद में थाने पहुंचा, लेकिन वहां मौजूद ड्यूटी ऑफिसर ने पीड़ित की मानसिक पीड़ा को समझने के बजाय मामले को रफा-दफा करने की कोशिश की।पुलिस ने सोची-समझी साजिश के तहत मामले को एनसीआर (गैर-संज्ञेय रिपोर्ट)में डाल दिया। जबकि यहां आईपीसी/बीएनएस की गंभीर धाराएं बनती हैं:

धारा 341 : रास्ता रोकना और बंधक बनाना

धारा 504/506: गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी।

धारा 354 (संभावित): परिवार की महिलाओं/बच्चियों की उपस्थिति में अभद्रता।

धारा 34 : सामूहिक रूप से अपराध कारित करना

इन धाराओं के तहत तत्काल एफआईआर होनी चाहिए थी, लेकिन पुलिस ने महज एक 'एनसीआर' की पर्ची थमाकर दोषियों को बचने का मौका दे दिया।अब सवाल यह है कि क्या पुलिस 'टोल माफिया' से मिलीहुई है ?सामाजिक कार्यकर्ता भूपेश शर्मा ने सीधे पुलिस अधीक्षक से सवाल किया है कि आखिर क्यों 30 मिनट की गुंडागर्दी और सीसीटीवी में कैद सबूतों के बाद भी पुलिस ने नरम रुख अपनाया। अगर 24 घंटे के भीतर टोल कर्मियों पर सख्त धाराओं में एफआईआर दर्ज नहीं हुई और सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक नहीं किया गया, तो यह मामला मानवाधिकार आयोग और न्यायालय की दहलीज पर होगा। जिसकी पूरी जिम्मेदारी शहडोल पुलिस और जिला प्रशासन की होगी।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में 200 जोड़े बंधे दांपत्य सूत्र में

▶ पुलिस मैदान बना खुशियों का साक्षी

नवभारत,जयसिंहनगर। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत जनपद पंचायत जयसिंहनगर क्षेत्र में मंगलवार को स्थानीय पुलिस मैदान में भव्य सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें 200 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंध गए। पूरे आयोजन में उत्सव और उल्लास का माहौल बना रहा। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि बराती बनकर बारात लेकर पहुंचे, जिनका स्वागत जनपद पंचायत के अधिकारियों द्वारा पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ किया गया। मंत्रोच्चार और वैदिक विधि-विधान के बीच वर-वधुओं ने सात फेरे लेकर जीवनभर साथ निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम मे विधायक जयसिंहनगर मनीषा सिंह ब्योहारी विधायाक शरद कोल एस डी एम काजोल सिंह नगर परिषद अध्यक्ष सुशीला शुक्ला जनपद अध्यक्ष मालती सिंह अरुण गौतम नीरज शर्मा रामनारायण पाण्डेय सहित जनप्रतिनिधि बराती के रुप मे बारात लेकर आए। बारातियो का स्वागत जनपद सीईओ शिवानी जैन सहित अधिकारियो ने किया। मंत्रोच्चार के साथ वर वधु ने सात फेरे पूरे किए। विवाहित जोड़ों को कलेक्टर डाक्टर केदार सिंह जिला मुख्य कार्यपालन अधिकारी शिवम प्रजापति भाजपा अध्यक्ष अमिता चपरा विधायक मनीषा सिंह शरद कोल नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती चक्रधारी सुशीला शुक्ला जनपद अध्यक्ष श्रीमती मालती सिंह जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती फूलवती सिंह अरुण गौतम अंत्योदय समिति अध्यक्ष पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष श्री राम नारायण पांडे पार्षद नीरज शर्मा सहित उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने सभी ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देकर उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की। कार्यक्रम का संचालन विकासखंड शिक्षा अधिकारी राजेंद्र तिवारी ने किया, जबकि अंत में जनपद पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी शिवानी जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया। भव्य आयोजन में सैकड़ों परिजन और नागरिक भी शामिल हुए, जिससे पुलिस मैदान पूरे दिन विवाहोत्सव के रंग में रंगा नजर आया।

50 हजार की स्मैक के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

▶ युवा पीढ़ी को नशे से बचाने अभियान तेज, बस स्टैंड के पास घेराबंदी कर पकड़े आरोपी

नवभारत,ब्योहारी। क्षेत्र में बढ़ते नशे के कारोबार पर लगाम कसते हुए ब्योहारी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 16.41 ग्राम स्मैक (हेरोइन) बरामद की है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 50 हजार रुपये बताई जा रही है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ब्योहारी बस स्टैंड कॉम्प्लेक्स के पास दो व्यक्ति अवैध मादक पदार्थ बेचने की फिराक में हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और दोनों संदिग्धों को हिरासत में ले लिया।

तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से स्मैक के अलावा 1500 रुपये नकद और दो मोबाइल फोन (वीवो एवं रेडमी) भी जब्त किए गए।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शिवकुमार यादव (29 वर्ष), निवासी ग्राम नरवार थाना पाली जिला उमरिया एवं पवन नामदेव (27 वर्ष), निवासी पुरानी बस्ती थाना कोतवाली जिला शहडोल के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 281/26 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 एवं 29 में मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। यह पूरी कार्रवाई थाना प्रभारी जियाउल हक के नेतृत्व में उपनिरीक्षक दिलीप सिंह, उपनिरीक्षक आर.के. सिंह, प्रधान आरक्षक बिलाल नरेंद्र, आरक्षक पंकज मेहरा एवं आरक्षक गंगासागर गुप्ता की टीम द्वारा पुलिस अधीक्षक शहडोल के मार्गदर्शन में की गई। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में नशा कारोबारियों में हड़कंप मच गया है, वहीं आमजन ने इस पहल की सराहना की है।

अजय सिंह राहुल का प्रवास आज

नवभारत, बुढ़ार। पूर्व नेता प्रतिपक्ष मध्य प्रदेश शासन एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजय सिंह राहुल आज धनपुरी एवं बुढार दौरे पर आ रहे हैं। उनके साथ मध्य प्रदेश के सभी प्रकोष्ठ एवं विभागों के प्रभारी मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस में उत्साह का माहौल है। कार्यक्रम को लेकर बुढ़ार ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा सुबह 9 बजे स्वागत अमलाई चौक में किया जाएगा, इसके बाद सामान्य मुलाकात का कार्यक्रम हनुमान खंडेलवाल के निवास पर किया जाएगा। वहीं सामान्य कार्यकर्ताओं से मुलाकात का कार्यक्रम बलमीत सिंह खनूजा के निवास पर रखा गया है। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अंकित सिंह ने बताया कि वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजय सिंह राहुल के आगमन से कांग्रेस को नई ऊर्जा मिलेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के सभी नगर कांग्रेस अध्यक्षो, युवक कांग्रेस प्रकोष्ठ के सभी पदाधिकारी से उपस्थिति दर्ज करने का आग्रह किया है। अजय सिंह राहुल के आगमन से कांग्रेस पार्टी में नई ऊर्जा व संगठन को मजबूती प्रदान होगी। अजय भैया हमेशा कार्यकर्ताओं का सम्मान करते हैं, वह जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने का कार्य करते हैं, उनके आगमन से कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा व उत्साह का संचार होगा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हनुमान खंडेलवाल व बलमीत सिंह ने सिंह खनूजा ने कहा कि अजय भैया राहुल के आगमन से संगठन को मजबूती प्रदान होगी। बुढार ब्लॉक अध्यक्ष अंकित सिंह ने ज्यादा से ज्यादा कार्यकर्ताओं से कार्यक्रम में पहुंचने की अपील की है।

जल गंगा अभियान बना फोटोबाजी का मंच

▶ सिटी टैंक की बदहाली जस की तस

नवभारद, शहडोल। जल संरक्षण के नाम पर चलाया जा रहा जल गंगा संवर्धन अभियान मंगलवार को सिटी टैंक तालाब पर महज औपचारिकता बनकर रह गया। बड़े स्तर पर प्रचारित श्रमदान कार्यक्रम जमीनी हकीकत में सिर्फफोटो सेशन तक सीमित दिखाई दिया, जिससे आम नागरिकों में नाराजगी देखी जा रही है। जिला प्रशासन और नगर पालिका के अधिकारियों की मौजूदगी में आयोजित इस कार्यक्रम में सफाई के दावे तो किए गए, लेकिन तालाब की स्थिति में कोई ठोस सुधार नजर नहीं आया। तालाब में फैली जलकुंभी, प्लास्टिक कचरा और गंदगी पहले की तरह बनी हुई है, जिससे अभियान की गंभीरता पर सवाल उठ रहे हैं।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि सफाई के नाम पर केवल सतही कार्य कर खानापूर्ति की गई, जबकि शहर की सड़कों और जल निकासी व्यवस्था की हालत भी बदतर बनी हुई है। हल्की बारिश में ही कई इलाकों में जलभराव की समस्या सामने आ रही है।नगर पालिका पर पहले से लगे भ्रष्टाचार, कमीशनखोरी और सफाई व्यवस्था में अनियमितताओं के आरोपों के बीच यह आयोजन और भी सवालों के घेरे में आ गया है। स्वच्छता कर्मियों को समय पर वेतन और बकाया राशि नहीं मिलने की शिकायतें भी लगातार सामने आ रही हैं, जिससे उनकी भागीदारी और मनोबल प्रभावित हो रहा है। अभियान के दौरान कचरा हटाने के दावों को भी स्थानीय नागरिकों ने खोखला बताया है। उनका कहना है कि तालाबों के संरक्षण के नाम पर केवल दिखावा किया जा रहा है, जबकि अतिक्रमण और प्रदूषण की समस्या लगातार बढ़ रही है। जानकारों का मानना है कि जल संरक्षण जैसे गंभीर मुद्दे पर केवल शपथ और प्रचार से काम नहीं चलेगा, बल्कि ठोस और दीर्घकालिक कार्ययोजना की आवश्यकता है। कार्यक्रम में कई अधिकारी मौजूद रहे, लेकिन उनकी उपस्थिति का प्रभाव जमीनी स्तर पर दिखाई नहीं दिया। वहीं, सफाई कर्मचारियों द्वारा आंदोलन की चेतावनी ने नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर और सवाल खड़े कर दिए हैं।कुल मिलाकर, यह श्रमदान कार्यक्रम अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर सका और प्रशासन की कार्यशैली पर प्रश्नचिह्न छोड़ गया है।

धनपुरी ने रचा उत्कृष्टता का नया अध्याय

▶ शासन से मिली सराहना

नवभारत, धनपुरी। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा जारी प्रशंसा पत्र के आलोक में नगर पालिका परिषद धनपुरी ने अपने उत्कृष्ट कार्यों से एक बार फिर प्रशासनिक दक्षता और समर्पण का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुश्री पूजा बुनकर के कुशल नेतृत्व, दूरदर्शी कार्यशैली एवं कर्मनिष्ठ प्रयासों के फलस्वरूप नगर पालिका धनपुरी ने निर्धारित राजस्व वसूली लक्ष्य को सफलतापूर्वक प्राप्त कर उल्लेखनीय उपलब्धि अर्जित की है, जिसके लिए विभाग द्वारा औपचारिक रूप से सराहना की गई है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2026 में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत के अंतर्गत प्रदेश की समस्त नगरपालिकाओं एवं नगर परिषदों को गत वर्ष की तुलना में न्यूनतम 150 प्रतिशत अधिक राजस्व वसूली का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इस चुनौतीपूर्ण लक्ष्य को प्राप्त करना सामान्य परिस्थितियों में दुष्कर माना जाता है, किंतु सुश्री पूजा बुनकर के नेतृत्व में धनपुरी नगर पालिका ने न केवल इस लक्ष्य को पूर्ण किया, बल्कि अपने कार्यों की उत्कृष्टता से एक आदर्श स्थापित किया। सुश्री बुनकर की कार्यप्रणाली में अनुशासन, पारदर्शिता एवं समन्वय की अद्भुत समष्टि दृष्टिगोचर होती है। उनके मार्गदर्शन में समस्त कर्मचारी दल ने अथक परिश्रम, निष्ठा एवं उत्तरदायित्व बोध के साथ राजस्व वसूली अभियान को सफल बनाया। यह उपलब्धि केवल प्रशासनिक सफलता ही नहीं, अपितु समर्पित सेवा भाव और कर्तव्यनिष्ठा का सजीव प्रमाण है। नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा प्रेषित पत्र में स्पष्ट रूप से नगर पालिका परिषद धनपुरी के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन को 'उल्लेखनीय उपलब्धि' बताते हुए मुख्य नगर पालिका अधिकारी सहित समस्त कर्मचारियों के प्रयासों की प्रशंसा की गई है। विभाग ने यह आशा भी व्यक्त की है कि भविष्य में भी इसी प्रकार की कर्मठता एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते हुए धनपुरी नगर पालिका अपने उत्कृष्ट स्थान को बनाए रखेगी। सुश्री पूजा बुनकर ने इस उपलब्धि का श्रेय अपने समस्त अधिकारी-कर्मचारियों की टीम भावना, समन्वित प्रयासों एवं नगरवासियों के सहयोग को दिया। उन्होंने कहा कि 'यह सफलता सामूहिक प्रयासों का परिणाम है, जिसमें प्रत्येक कर्मचारी की निष्ठा और कर्तव्यपरायणता का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।' साथ ही उन्होंने भविष्य में और अधिक सुदृढ़ कार्यप्रणाली अपनाकर नगर के समग्र विकास हेतु निरंतर प्रयासरत रहने का संकल्प व्यक्त किया। नगरवासियों में भी इस उपलब्धि को लेकर हर्ष एवं गौरव का वातावरण व्याप्त है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी के प्रयासों की सराहना करते हुए इसे नगर के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक सशक्त कदम बताया है। निस्संदेह, सुश्री पूजा बुनकर के नेतृत्व में नगर पालिका परिषद धनपुरी ने यह सिद्ध कर दिया है कि सुदृढ़ नेतृत्व, समर्पण एवं सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ कोई भी लक्ष्य असाध्य नहीं होता। यह उपलब्धि अन्य नगरीय निकायों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनकर उभरी है।

जयंती | धनपुरी में परशुराम जयंती धूमधाम से मनाई, बड़ी संख्या में विप्र समाज शामिल

ब्राम्हण समाज पथ प्रदर्शक, महान समाज के लिए एकता जरूरी : पं. दवे

नवभारत,धनपुरी। भगवान परशुराम वैशाख शुक्ल तृतीया के दिन अवतरित हुए भगवान विष्णु के छठे अवतार थे। इन्हें विष्णु का आवेशावतार भी कहा जाता है क्योंकि इनके क्रोध की कोई सीमा नहीं थी। अपने पिता की हत्या के प्रतिशोध स्वरूप इन्हें हैहय वंशी क्षत्रियों के साथ 21 बार युद्ध करने व उनका समूल नाश करने के लिये जाना जाता है। अपने पिता की आज्ञा का पालन करने के लिये इन्होंने अपनी माता सहित अपने सभी भाईयों का शीष धड़ से अलग कर दिया था। हालांकि उन्हें पुनर्जीवित करने का वरदान भी बाद में पिता जमदग्नि से मांगा। इन्हीं परशुराम को भगवान विष्णु के दसवें अवतार जो कि कल्कि के रूप में अवतरित होंगे का गुरु भी माना जाता है। भगवान रामायण से लेकर महाभारत तक भगवान परशुराम के शौर्य की गाथा बहुत ही रोमांचक है। भगवान परशुराम का जन्म ऋषि जमदग्नि और उनकी पत्नी रेणुका के घर हुआ था, जो मूल रूप से एक क्षत्रिय राजकुमारी थीं। उनका जन्म ही महानता के लिए निर्धारित था। किंवदंती के अनुसार, उनके दादा ऋषि रुचिका ने दो विशेष प्रसाद तैयार किए थे, एक विद्वान ब्राह्मण पुत्र की प्राप्ति के लिए और दूसरा योद्धा क्षत्रिय पुत्र की प्राप्ति के लिए। इस तरह धरती पर भगवान परशुराम का अवतरण हुआ। ऐसे महान तपस्वी, त्यागी और न्याय के प्रतिमूर्ति भगवान परशुराम की धनपुरी में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी परंपरागत तरीके से जयंती सोल्लास मनाई गई। कार्यक्रम के संयोजक पं. सनत शर्मा एवं अध्यक्ष पं. विनोद शर्मा की अगुवाई में शाम साढ़े पांच बजे नगर के सुप्रसिध्द बाजार रंगमंच पर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर क्षेत्रीय वरिष्ठ एवं युवा विप्रजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अंचल के वयोवृद्ध सेवानिवृत्त मुख्य शिक्षक पं. श्री निवास तिवारी रहे जबकि कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि इण्टक के युवा नेता पं. कमलेश शर्मा, पं. कृष्ण मुरारी शर्मा, पं. नरेश शर्मा, पं. रामशिरोमणि शर्मा रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत्त उप-संचालक शिक्षा पं. वेदव्यास दवे ने की। इस अवसर पर पं. सनत शर्मा, पं. विनोद शर्मा, सहित भाजपा मण्डल अध्यक्ष पं. अजय शर्मा, पं. लवकुश तिवारी, पं. बहोरी प्रसाद मिश्रा पं.श्री राम द्विवेदी, पं. चन्द्रदत्त शर्मा, पं. राकेश तिवारी, पं. जय शर्मा, पं. राजन (राजेन्द्र) द्विवेदी, लवकुश तिवारी, ऋषिकेश दवे, जय शर्मा, अभय शर्मा, रविकरण त्रिपाठी, बद्री तिवारी, डॉ. त्रिपाठी, सहित बड़ी संख्या में विप्र समाज के लोग उपस्थित थे।

इस अवसर हुए गरिमामय कार्यक्रम में सभी वक्ताओं ने अपने उद्बोधन में भगवान परशुराम के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने का आव्हान किया। कार्यक्रम अध्यक्ष पं. वेदव्यास दवे ने कहा ब्राम्हण सदैव मार्गदर्शक रहकर शीर्ष पर रहा। ब्राम्हणों की एकता बहुत जरूरी है। यदि सर्व ब्राम्हण एक नहीं होंगे तो हमारा स्थान गिरता जाएगा। इसलिए सबको अपनी वैदिक और सामाजिक परंपराओं का ध्यान रखते हुए उत्कृष्ट कार्य करना चाहिए। विशिष्ट पं. रामशिरोमणि शर्मा ने आव्हान किया कि समय की धारा को देखते हुए आज ब्राम्हणों की एकता अपरिहार्य है। हम दुनिया भर में कहीं भी निगाह डालें हमारे श्रेष्ठ कर्म हमें हमेशा पथ प्रदर्शक के रूप में आगे रखते हैं।